गंगवंशी स्वयं सहायता समूह नघुआजोत की सफतलता की कहानी,वि0खण्ड0–बाँसी

जनपद सिद्धार्थनगर में बॉसी–इटवा मार्ग पर गोल्हौरा से दक्षिण दिशा में लगभग 5 कि0मी0 की दूरी पर स्थिति है। नघुआजोत के निवासी श्री गोविन्द प्रसाद ने विकास खण्ड बॉसी ,सिद्धार्थनगर के माध्यम से स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योंजनान्तर्गत एक समूह का गठन किए जिसमें 12 सदस्य सम्मिलित हुए सभी सदस्यो ने 25–25 रुपया बचत करके पूर्वांचल ग्रामीण बैंक गोल्हौरा मे दिनांक 25.03.2006 को एक बचत खाता खोले जिसका न06154 है ।

समूह के सभी सदस्य माह में एक दिन पूर्व निशचित स्थान पर इकठठा होकर समूह के विकास के लिए बैठक करते थे तथा उसी दिन महीने भर की बचत 25–25 रुपया समूह के कोषाध्यक्ष फूलचन्द के पास जमा करते थे जिस सदस्य को पैसे की अति आवश्यकता होती थी उसकी आवश्यकता के पूर्ति के लिए समूह का पैसा उसे दे दिया जाता था तथा शेष पैसे को बचत खाते मे जमा कर दिया जाता था इस प्रकार समूह धीरे–धीरे सशक्त होने लगा

विकास खण्ड बॉसी के ग्रेडेशन समिती द्वारा उक्त समूह को दिनांक 10.03.07 को प्रथम ग्रेड उत्तीर्ण किया गया तत्पश्चात विकास खण्ड बॉसी द्वारा उक्त समूह के सी0सी0एफ0 करने हेतु दिनांक 13.03.07 को पाचँ हजार का चेक शाखा प्रबन्धक पूर्वांचल ग्रामीण बैंक गोल्हौरा के नाम भेजा गया। शाखा प्रबन्धक पूर्वांचल ग्रामीण बैंक गोल्हौरा द्वारा दिनांक20.06.07को 25000.00 का एक सी0सी0एफ0 खाता खोल दिया गया। समूह के लोग सी0सी0एफ0 के पैसे से दूध क्रय कर बाँसी,गोल्हौरा एवं जिगिनियहवा में बेचते थे जिससे उनकी कुछ आमदनी धीरे–धीरे बढती गई। विकास खण्ड बॉसी के ग्रेडेशन समिती द्वारा दिनांक 5.01.2008 को द्वितीय ग्रेडिग किया गया जिसमें समूह उत्तीर्ण हो गया ततपश्चात विकास खण्ड बाँसी के श्रीमती कुन्तकली ग्रा0पा0अ0 द्वारा समूह कीऋण पत्रावली तैयार कर दिनांक 26.01.2008 को पूर्वांचल ग्रामीण बैंक

गोल्हौरा को प्रेषित कर दिया गया। शाखा प्रबन्धक पूर्वांचल ग्रामीण बैंक गोल्हौरा द्वारा दिनांक 19.03.2008 को डेयरी परियोजना पर 250000.00 का ऋण दे दिया गया जिसमें 120000.00का अनुदान एंव 130000.00 ऋण सम्मिलित है।

समूह के सदस्यो द्वारा 5भैस क्रय कर लिया गया हैं जिसके द्वारा उत्पादित दूध को बाँसी,गोल्हौरा एवं जिगिनियहवा तक बिक्री की जाती है। तथा अभी समूह के सदस्यो द्वारा दूध एवं भैस क्रय करने का विचार है तथा अच्छे किस्म के भैस का तलाश कर रहे है। समूह के सक्रियता को देखते हुए पूर्ण विश्वास है कि समूह के सभी सदस्यो को वर्तमान में 1500.00 रूपये प्रति माह की आमदनी हो रही है तथा सभी को भविष्य में कम से कम 2000.00 प्रतिमाह आमदनी का अनुमान है। समूह के लाभार्थियो के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार हुआ है।

SGSY अन्तर्गत गर्गवंशी स्वंय सहायता समूह
ग्राम - नथुआ जोत
[illegible] - भैंसी

जय बजरंग बली स्वयं सहायता समूह सोनफंरवा की सफतलता की कहानी,वि0खण्ड0–बाँसी

जनपद सिद्धार्थनगर में बाँसी–इटवा मार्ग पर गोल्हौरा चौराहे से लगभग 1/2 कि0मी0 उत्तर सोनफेरवा बुजुर्ग स्थिति है। इस गावँ के निवासी श्री रामचन्दर ने भारत सरकार द्वारा संचालित स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योंजनान्तर्गत एक समूह का गठन दिनांक 20.02.2003 को किए जिसमें 12 सदस्य सम्मिलित हुए सभी सदस्यो ने 25–25 रुपया बचत करके समूह के सदस्य के पास जमा करते थे। यदि समूह के किसी सदस्य को पैसे की आवश्यकता होती थी तो उसी राशी में से 2 प्रतिशत ब्याज पर दे दिया करते थे तथा शेष राशी को समूह के बचत खाता जो पूर्वांचल ग्रामीण बैंक गोल्हौरा में जमा कर देते थे। ग्रेडेशन समिति द्वारा दिनांक 16.03.2004 प्रथम ग्रेड में उत्तीर्ण कर दिया गया ततपश्चात विकास खण्ड बाँसी द्वारा दिनांक29.03.2004 को रिवाल्विग फण्ड की धनराशी शाखा प्रबन्धक पूर्वांचल ग्रामीण बैंक गोल्हौरा को भेज दिया गया ततपश्चात दिनांक 01.06.2004 को बैंक द्वारा समूह के नाम से 25000.00 का सी0सी0एल0 कर दिया गया

सी0सी0एल0 के पैसे से समूह के लोग लकड़ी का कार्य प्रारम्भ किए पहले जलौनी लकड़ी क्रय कर के बेचते थे उससे थोडा–थोडा लाभ होता था दिनांक 01.06.2004 को ग्रेडेशन समिति बाँसी द्वारा द्वितीय उत्तीर्ण कर दिया गया ततपश्चात विकास खण्ड बाँसी के सहयोग से 250000.00 की ऋण पत्रावली पूर्वांचल ग्रामीण बैंक गोल्हौरा को प्रेषित कर दिया गया, तथा ऋण वितरण हेतु 120,000.00 अनुदान की राशी भी बैंक को प्रेषित कर दिया गया,ग्रामीण बैंक गोल्हौरा द्वारा दिनांक 20.1.2005को फर्निचर उद्योग पर ऋण प्राप्त करा दिया गया।

समूह के सदस्यो द्वारा इमारती लकड़ी क्रय कर के फर्निचर बनवाना तथा जलौनी लकडी बेचने का कार्य कर रहे है उनकी लगभग 1000.00प्रति सदस्य की आमदनी हो रही है भविष्य में लगभग 2000.00 प्रति सदस्य प्रतिमाह आमदनी का अनुमान है। समूह पूरी तरह से उत्साहित है। तथा उनके जीवन का स्तर संतोषजनक रूप से बढा है।

SGSY अन्तर्गत जयबंजरग स्वंय सहायता समूह

ग्राम - सोन फेरवा

वि०खण्ड- बांसी